बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक पुरुष

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson

रूपान्तरकार: E. Frischbutter; Sarah S.,

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और
मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

एक दिन जकारिया नामक एक बृद्ध याजक परमेश्वर के मंदिर में धूप जला रहा था। बाहर, लोगों ने प्रार्थना की। अचानक, जकारिया भयभीत होकर कांपने लगा।

एक दूत आया। उसने कहा, "डरो मत। परमेश्वर ने मुझे भेजा है। आपकी पत्नी का एक बेटा होगा। उसका नाम यूहन्ना रखना। वह जन्म से ही पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो होगा। वह बहुतेरों को परमेश्वर के पास लाएगा ।"

"हमसे बातें करो, जकारिया बोलो।" बाहर लोग जानने के लिए हैरान थे। वे नहीं जानते थे कि गेब्रियल, परमेश्वर का दूत जकारिया से कहा था, प्रभु के संदेश पर विश्वास नहीं करने के कारण, बच्चे के जन्म तक बात करने में असमर्थ रहेगा। वह सोचा कि उसकी पत्नी बच्चा जनने के लिए बहुत बूढ़ी है।

घर में, जकारिया ने ओ सब लिखा जो स्वर्गदूत उसे बताया था। एलिजाबेथ, उसकी पत्नी, चकित थी। वे हमेशा एक बच्चे के लिए प्रार्थना किया करते थे। क्या यह अब हो सकता है?

जल्द ही एलिजाबेथ को पता हो गया कि वह गर्भवती है। वह परमेश्वर की स्तुति की। एक दिन, एलिजाबेथ की चचेरी बहन मरियम ने उसका दौरा किया। मरियम भी एक बच्चे को जानने वाली थी।

जैसे ही मरियम पहुंची, एलिजाबेथ ने महसूस किया कि बच्चा उसके पेट में उछला है। एलिजाबेथ पवित्र आत्मा से भर गयी। वह जान गयी कि मरियम का पुत्र ही प्रभु यीशु मसीह होगा। दोनों महिलाए आनंद के साथ परमेश्वर की प्रशंसा की।

परमेश्वर के वादे के अनुसार एलिजाबेथ के बच्चे का जन्म हुआ। अन्य याजको ने कहा, "पिता की तरह उसे भी, जकारिया के नाम से ही पुकारो।" जकारिया परमेश्वर के दिये आज्ञा को याद किया। "नहीं! बच्चे का नाम यूहन्ना है।" जैसे ही जकारिया उन शब्दों को लिखा, उसकी वाणी वापस आ गयी। फिर वह परमेश्वर की प्रशंसा की।

जब यूहन्ना बड़ा हुआ तब वह एलिय्याह की तरह, परमेश्वर के महान आदमी की तरह हुआ। यूहन्ना, लोगों को बताया कि उन्हें आशीर्वाद देने के लिए मसीहा जल्द ही आ रहा है।

यहूदी अगुवे यूहन्ना से नफरत
करते थे क्योंकि उसने उन से
कहा, "मन फिराओ! पाप करना
बंद करो"। वे अपने पापों के बारे
में सुनना नहीं चाहते थे।

लोग उसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के नाम से पुकारते थे क्योंकि वह दिखाने के लिए कि वे अपने पापों की क्षमा चाहते है, उन्हें पानी का बपतिस्मा देता था। एक दिन, यीशु बपतिस्मा लेने के लिए यूहन्ना के पास आये। "आपको मुझे बपतिस्मा देना चाहिए," यूहन्ना ने विरोध जताया। लेकिन यीशु ने कहा "ऐसा ही होने दो" और उसने यूहन्ना से बपतिस्मा लिया।

'यीशु के बपतिस्मा के बाद, यूहन्ना पवित्र आत्मा को एक कबूतर के रूप में यीशु पर आते देखा। यह परमेश्वर का संकेत था। यूहन्ना जानता था की यीशु परमेश्वर का पुत्र है। यूहन्ना, यीशु को दुनिया के पाप को दूर ले जाने वाला (*हरने वाला*) मेम्ना कहा।

यूहन्ना, बहुत सारे लोगों को परमेश्वर के पास लाया। लेकिन हेरोदेस, दुष्ट शासक, यूहन्ना को जेल में डलवा दिया। यूहन्ना हेरोदेस को चिताया कि, "हेरोदिया को, जो तुम्हारे भाई की पत्नी है उसे अपनी पत्नी बनाकर रखना एक पाप है।"

हेरोदेस यह सच जानता था। यूहन्ना, परमेश्वर का सेवक है, एक धर्मी और पवित्र आदमी है। लेकिन वह पाप करना बंद नहीं करना चाहता था। और यूहन्ना पाप के खिलाफ उपदेश देना बंद नहीं करना चाहता था, भले ही जेल जाना पड़े।

अपने जन्मदिन पर हेरोदेस एक बडा जश्न का आयोजन किया। हेरोदिया की बेटी उसके लिए नृत्य किया। वह हेरोदेस को बहुत पसंद आया। "कुछ भी तुम चाहती हो मांग सकती हो," उसने वादा किया। "यहां तक कि मेरा आधा राज्य।"

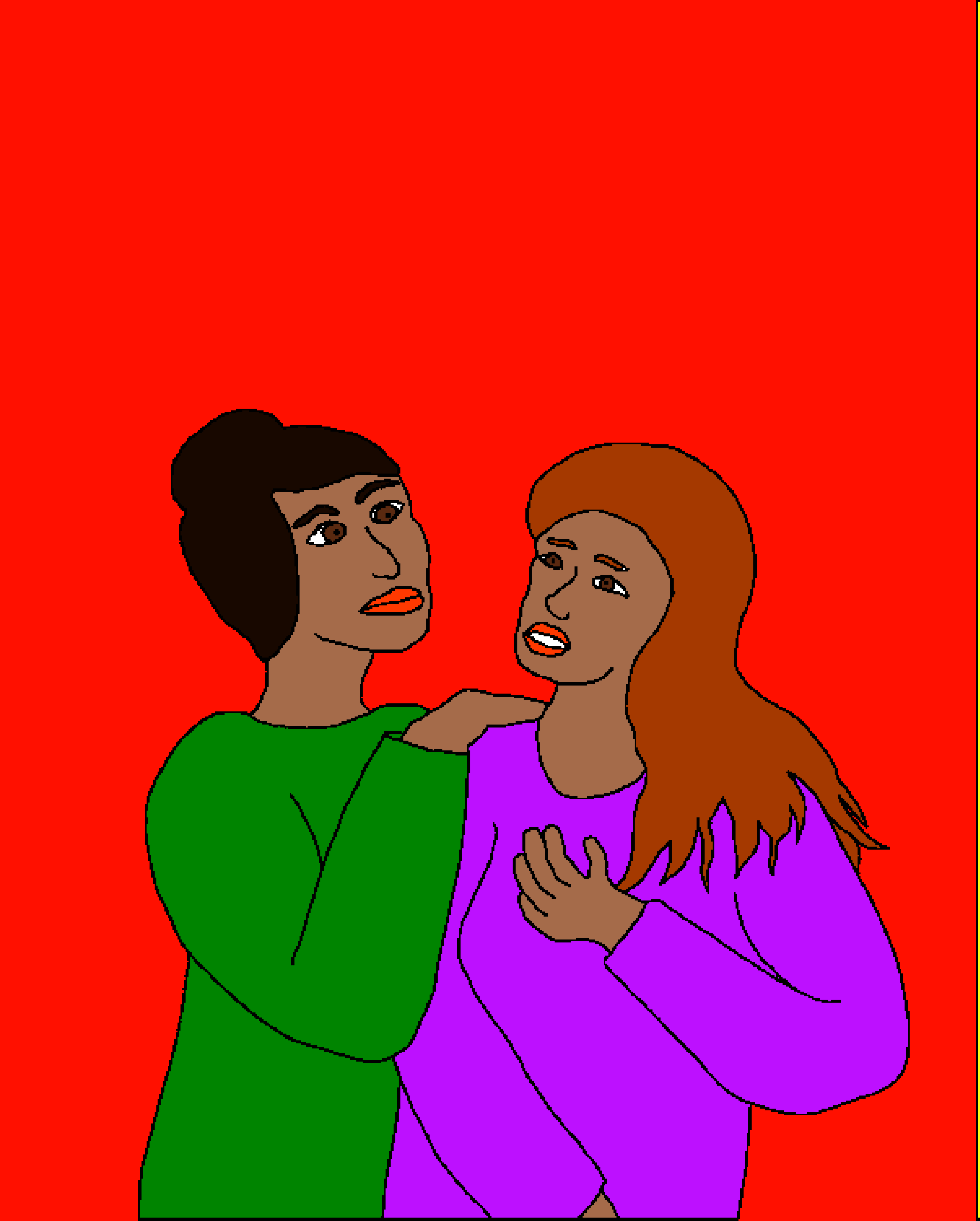

"मैं क्या मांग सकती हूँ?" लड़की आश्चर्य जतायी। उसकी बुरी माँ हेरोदियास, जो यूहन्ना से नफरत कराती थी, ने सिखाया क्या मांगना है। वह भयानक था!।

"मुझे यूहन्ना बैपटिस्ट का सिर कटवाकर एक थाली में दो," लड़की हेरोदेस से कही। वह अपने वादे के लिए बहुत खेदित था, लेकिन बहुत अधिक घमण्ड के कारण तोड़ नहीं सकता था। "यूहन्ना का सिर काट कर यहाँ ले आओ," हेरोदेस ने आदेश दिया। उसके सैनिकों ने आज्ञा पालन किया।

अफसोस की बात है।
यूहन्ना के दोस्तों ने
परमेश्वर के बहादुर
और वफादार सेवक के
शरीर को दफन किया।
परमेश्वर के लिए यूहन्ना
का काम अब समाप्त हो
चुका था। वे जानते
थे कि यीशु उनके
दुख में उन्हें
सांत्वना देगा।

परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक पुरुष

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मरकुस 6, लूका 1, 3

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर
सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16